YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 26.10.2017

DAINIK JAGRAN

समारोह | हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से वाईएमसीए यूनिवर्सिटी दो दिवसीय विज्ञान सम्मेलन का आयोजन

लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने से मिलती है सफलता

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद: वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से बुधवार को स्वर्ण जयंती समारोह पर दो दिवसीय विज्ञान सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर प्रदर्शनी, लघु फिल्म और विशेष व्याख्यान रहे। इसमें विभिन्न शिक्षण संस्थानों के एक हजार से ज्यादा विद्यार्थी हिस्सा ले रहे हैं।

बुधवार को सम्मेलन का उद्घाटन दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेन्द्र कुमार अनायत ने किया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। कार्यक्रम में विज्ञान भारती के महासचिव जयकुमार, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. भगवान सिंह चौधरी और वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के कुल सचिव डॉ. एसके शर्मा उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र कुमार अनायत को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ● जागरण

इस दौरान डॉ. राजेंद्र कुमार अनायत ने विद्यार्थियों के साथ अपने जीवन के अनुभव सांझा किए और उन्हें जीवन में लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि आप कितना ज्ञान रखते है, अपितु यह अधिक महत्वपूर्ण है कि आपके द्वारा अर्जित ज्ञान का सही उपयोग सुनिश्चित हो। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वह जीवन में लक्ष्य निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करें। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि हमारे जीवन में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है और विज्ञान के बिना इंजीनियरिंग की परिकल्पना नहीं की जा सकती।

सभी प्रमुख आविष्कार अकस्मात हुए है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक असफलता के बावजूद अपनी सोच सकारात्मक रहे क्योंकि कोई भी असफलता एक नये आविष्कार की जनक हो सकती है। जयकुमार ने कहा कि विविध सांस्कृतिक विरासत और समृद्ध संसाधनों के बावजूद आज भारत विज्ञान बेशक पीछे है, लेकिन विज्ञान के क्षेत्र में हमारा इतिहास ऐसा नहीं रहा है।

हमारे युवाओं में नई खोज करने की क्षमता है क्योंकि वैज्ञानिकों द्वारा जितनी भी बड़े आविष्कार हुए है, वे उनके द्वारा उनकी युवा आयु के दौरान ही किये गये है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र कुमार अनायत को स्मृति चिह्न भेंट किया। इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों ने विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सम्मेलन के दूसरे दिन गुरुवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे और विश्वविद्यालय में लगभग 60 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे।

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 26.10.2017

DAINIK BHASKAR

विज्ञान सम्मेलन | आज समारोह में सीएम मनोहर लाल होंगे शामिल, करोड़ों की परियोजना का करेंगे शुभारंभ

कोई भी असफलता एक नए आविष्कार की जनक, प्रयास करते रहें : दिनेश

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में दो दिवसीय विज्ञान सम्मेलन बुधवार से शुरू हुआ। इसमें विभिन्न शिक्षण संस्थानों के एक हजार से ज्यादा विद्यार्थी हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन का शुभारंभ मुरथल की दीनबन्धु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेन्द्र कुमार अनायत ने किया।

उन्होंने विद्यार्थियों के साथ अपने जीवन के अनुभव सांझा किए। उन्हें जीवन में लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि आप कितना ज्ञान रखते हैं। अपितु यह अधिक महत्वपूर्ण है कि आपके द्वारा अर्जित ज्ञान का सही उपयोग सुनिश्चित हो। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करें। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि हमारे जीवन में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है। विज्ञान के बिना इंजीनियरिंग की परिकल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख आविष्कार अकस्मात हुए हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक असफलता के बावजूद अपनी सोच सकारात्मक रहे। कोई भी असफलता एक नए आविष्कार की जनक हो सकती है। हम भारत को वैज्ञानिक रूप से अग्रिम देशों की पंक्ति में देखना चाहते हैं तो हमें नोबल पुरस्कार विजेता सर सीवी रमन जैसे वैज्ञानिक तैयार करने होंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। विज्ञान भारती के महासचिव जयकुमार ने कहा कि विविध सांस्कृतिक विरासत व समृद्ध संसाधनों के बावजूद आज भारत विज्ञान में बेशक पीछे है। विज्ञान के क्षेत्र में हमारा इतिहास ऐसा नहीं रहा है। हमारे युवाओं में नए आविष्कार और खोज करने की क्षमता है। वैज्ञानिकों द्वारा जितनी भी बड़ी खोज या आविष्कार हुए हैं वे उनके द्वारा उनकी युवा आयु के दौरान ही किए गए हैं। इसलिए युवा मस्तिष्क विज्ञान के क्षेत्र में काफी योगदान दे सकता है।

फरीदाबाद. विज्ञान सम्मेलन को संबोधित करते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्र की प्रगति के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। डॉ. बीएस चौधरी ने रिमोट सेंसिंग व स्पेस साइंस पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। सत्र का समापन कुलसचिव डॉ. एसके शर्मा ने किया। सम्मेलन के दूसरे दिन गुरुवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। विश्वविद्यालय में लगभग 60 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे।

NEWS CLIPPING: 26.10.2017

PUNJAB KESARI

वाईएमसीए में 2 दिवसीय विज्ञान सम्मेलन शुरू

विज्ञान प्रदर्शनी व लघु फिल्म की लगाई गई प्रदर्शनी

फरीदाबाद, 25 अक्तूबर (पंकेस): सैक्टर-17 वाईएमसीए विश्वविद्यालय में हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 2 दिवसीय विज्ञान सम्मेलन का आयोजन किया गया। बुधवार को सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में दीनबंधु छोटूराम विश्वविद्यालय मुरथल के कुलपति डॉ राजेंद्र कुमार अनायत उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाईएमसीए विश्वविद्यालय के कुलपति दिनेश कुमार ने की।

विशिष्ट अतिथि विज्ञान भारती के महासचिव जयकुमार, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलसचिव डॉ. भगवान सिंह चौधरी थे। दीनबंधु छोटूराम विश्वविद्यालय मुरथल के कुलपति डॉ राजेंद्र कुमार अनायत ने कहा कि विद्यार्थी लक्ष्य निर्धारित कर उस पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ अपने जीवन के अनुभव साझा किए।

वाईएमसीए में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए अतिथि।

विज्ञान सम्मेलन का मुख्य आकर्षण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर प्रदर्शनी, लघु फिल्म, विशेषज्ञों के व्याख्यान हैं। इस दौरान अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

कुलपति दिनेश कुमार ने कहा कि विज्ञान के बिना इंजीनियरिंग की कल्पना नहीं की जा सकती है। सभी प्रमुख आविष्कार अचानक हुए हैं। इसलिए प्रत्येक असफलता के बावजूद अपनी सोच सकारात्मक रखें। कोई भी असफलता नये आविष्कार को जन्म दे सकती है। विज्ञान भारती के महासचिव जयकुमार ने कहा कि हमारे युवाओं में नये आविष्कार और खोज करने की क्षमता है। वैज्ञानिकों द्वारा जितनी बड़ी खोज या आविष्कार हुए हैं, वह उनकी युवा आयु के दौरान किए गए।

युवा मस्तिष्क विज्ञान के क्षेत्र में काफी योगदान दे सकता है। डा. बीएस चौधरी ने रिमोट सेंसिंग, स्पेस साइंस पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। सत्र का समापन कुलसचिव डॉ. एस.के. शर्मा ने किया। सम्मेलन के दूसरे दिन वीरवार को मुख्यमंत्री द्वारा 60 करोड़ रुपये की लागत से परियोजना का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया जाएगा।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Thu, 26 October 2017
epaper.punjabkesari.in//c/23196192

NEWS CLIPPING: 26.10.2017

AMAR UJALA

अमर उजाला नई दिल्ली बृहस्पतिवार, 26 अक्तूबर 2017 3

page 7

'विफलताओं के बावजूद सोच को रखें सकारात्मक'
दीनबंधु छोटूराम विश्वविद्यालय मुरथल के कुलपति डॉ राजेंद्र कुमार अनायत ने यह बात विज्ञान सम्मेलन में कही।

विफलताओं के बावजूद सोच को रखें सकारात्मक : डॉ. राजेंद्र कुमार अनायत

फरीदाबाद। दीनबंधु छोटूराम विश्वविद्यालय मुरथल के कुलपति डॉ राजेंद्र कुमार अनायत ने कहा कि आप कितना ज्ञान रखते हो, यह महत्वपूर्ण नहीं है। आपके अर्जित ज्ञान का उपयोग सही हो, यह महत्वपूर्ण है। यह बुधवार को वाईएमसीए विश्वविद्यालय में हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय विज्ञान सम्मेलन के उद्घाटन में विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता वाईएमसीए विश्वविद्यालय के कुलपति दिनेश कुमार ने की। विशिष्ट अतिथि विज्ञान भारती के महासचिव जयकुमार, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलसचिव डॉ. भगवान सिंह चौधरी थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी लक्ष्य निर्धारित कर उस पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ अपने जीवन के अनुभव साझा किए। विज्ञान सम्मेलन का मुख्य आकर्षण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर प्रदर्शनी, लघु फिल्म, विशेषज्ञों के व्याख्यान हैं। इस दौरान अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कुलपति दिनेश कुमार ने कहा कि विज्ञान के बिना इंजीनियरिंग की कल्पना नहीं की जा सकती है। ब्यूरो

प्रदर्शनी का अवलोकन करते डॉ. अनायत।

NEWS CLIPPING: 26.10.2017

NAVBHARAT TIMES

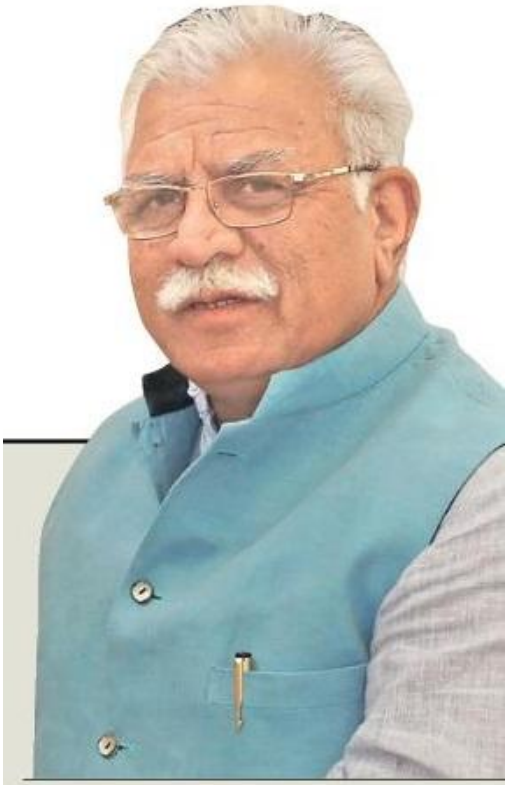

आज आएंगे सीएम, कई प्रॉजेक्ट का करेंगे शिलान्यास

■ **नगर संवाददाता, फरीदाबाद** : स्वर्ण जयंती समारोह के मौके पर वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बुधवार को दो दिवसीय विज्ञान सम्मेलन शुरू हुआ। आज समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सीएम मनोहर लाल बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय आएंगे। शाम 4 बजे छात्रों को संबोधित करने के साथ सीएम विश्वविद्यालय के कई प्रॉजेक्ट का उद्घाटन-शिलान्यास करेंगे। इसमें सभागार (ऑडिटोरियम), स्वर्ण जयंती द्वार, छात्रावास, आवासीय परिसर, अकैडमिक (विज्ञान संकाय) खण्ड शामिल हैं।

NEWS CLIPPING: 26.10.2017

NAVBHARAT TIMES

वाईएमसीए में शुरू हुआ विज्ञान सम्मेलन

दो दिवसीय विज्ञान सम्मेलन को संबोधित करते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार

■ **नगर संवाददाता, फरीदाबाद :** स्वर्ण जयंती समारोह के मौके पर वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बुधवार को दो दिवसीय विज्ञान सम्मेलन शुरू हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के कुलपति डॉ. राजेंद्र कुमार अनायत ने किया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता वाईएमसीए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। सम्मेलन का आकर्षण विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों की तरफ से लगाए गए विज्ञान मॉडल रहे। व्याख्यान संत्र में मुरथल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राजेंद्र कुमार अनयात ने छात्रों को लक्ष्य पर केंद्रित रहने की सलाह दी।

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 26.10.2017

HINDUSTAN

वाईएमसीए में विज्ञान सम्मेलन शुरू, एनसीआर के स्कूल कॉलेजों ने लिया हिस्सा

छात्रों ने बनाए बेहतरीन मॉडल

विज्ञान सम्मेलन

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बुधवार से दो दिवसीय विज्ञान सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें दिल्ली एनसीआर के करीब 50 स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। इस मौके पर छात्रों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर प्रदर्शनी लगाई और विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया। इसका उद्घाटन मुरथल स्थित दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेन्द्र कुमार अनायत ने की। जबकि अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की।

इस मौके पर मुख्यअतिथि ने विद्यार्थियों के साथ अपने जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित करें तथा उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करें। हमारे जीवन में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसके बगैर इंजीनियरिंग की परिकल्पना नहीं की जा सकती। इस दौरान उन्होंने बताया कि सभी प्रमुख आविष्कार अचानक हुए है। असफलता के बावजूद अपनी सोच सकारात्मक रखनी चाहिए। असफलता एक नए आविष्कार की जनक हो सकती है। उनका कहना था कि आज के युवाओं में नए आविष्कार और खोज करने की क्षमता है। अभी तक वैज्ञानिकों की ओर से जितनी भी बड़ी खोज या आविष्कार हुआ है, युवाओं द्वारा किया गया है।

वहीं, डॉ. बीएस चैधरी ने रिमोट सेसिंग तथा स्पेस साइंस पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किए। इस मौके पर विज्ञान भारती के महासचिव जयकुमार, चैधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलसचिव डॉ. भगवान सिंह चौधरी आदि मौजूद रहे।

फरीदाबाद में बुधवार को विज्ञान सम्मेलन में हाईवे को जोड़ने वाले पुल के मॉडल के बारे में जानकारी देते छात्र। • हिन्दुस्तान

छात्रों द्वारा तैयार किए गए मॉडल

मॉडल 1

स्टैम सेल से कई गंभीर बीमारियों का उपचार : पलवल के एसडी कॉलेज के छात्रों ने स्टैम सेल के माध्यम से उपचार के विषय में बताया गया। जबकि सुपर बर्ग जैसी गंभीर बीमारियों को आयुर्वेद के माध्यम से उपचार के विषय में जानकारी दी गई। छात्रों ने मॉडल के माध्यम से बताया कि जन्म के तुरंत बाद उनके नाभी से स्टैम सेल को तैयार किया जाता है। जिसे एक निश्चित तापमान पर वर्षों सुरक्षित रखा जा सकता है। जरूरत पड़ने पर इसके माध्यम से कई गंभीर बीमारियों का उपचार किया जा सकता है। वहीं, मॉडल के माध्यम से बताया गया कि एंटीबायोटिक का असर शरीर पर कम असर पड़ने लगा है। इसका मुख्य कारण हमारा शरीर इन दवाइयों का आदि हो चुका है। इस लिए अगर किसी प्रकार की समस्याएं होती है, तो आयुर्वेद का प्रयोग करें।

खराब सामान से बिजली तैयार

2 सोहना रोड स्थित पंडित एलआर कॉलेज के छात्रों ने घर में पड़े खराब सामान से भाप बनाकर बिजली तैयार करने के विषय में बताया। छात्रों ने एक कंटेनर में गर्मपानी को उबाला उससे निकलने वाले भाप से बिजली तैयार किया जा सकता है। इसके माध्यम से पंखा और लाइट जलाया जा सकता है। इसे कॉलेज के छात्र सचिन कुमार और जितेंद्र सिंह राठौर ने तैयार किया है।

स्मार्ट क्लास का मॉडल तैयार

3 सेक्टर 3 स्थित एक निजी स्कूल के छात्रों ने स्मार्ट क्लास का मॉडल तैयार किया था। जिसमें छात्रों को पढ़ाने के लिए प्रोजेक्टर से लेकर कमरे में एसी तक लगी हुई थी। मॉडल के माध्यम से छात्रों ने बताया कि अब किसी भी विषय को रट्टा मारने की जरूरत नहीं। स्मार्ट क्लास रूम में आधुनिक तकनीक से पढ़ाई करने की जरूरत है।

राजमार्ग पर दुर्घटना और ट्रैफिक कैसे करें नियंत्रण

4 पलवल श्रीराम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के छात्रों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटना और ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए पुल का निर्माण किया है। इस पुल के माध्यम से दो राजमार्ग को जोड़ा गया है। जिससे ट्रैफिक के साथ सड़क हादसों पर भी अंकुश लगाया जा सकता है।